हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 31 | देहरादून, बुधवार, 20 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

मुख्यमंत्री धामी ने सूर्यकांत धस्माना को दिया भरोसा, पीआरडी जवानों को मिलेगा न्याय

3

प्रदेश में भारी बारिश का रेड अलर्ट दून सहित नौ जिलों में स्कूल बंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम के तेवर फिर बदल गए हैं। देहरादून, नैनीताल समेत नौ जिलों में बुधवार को भारी से अत्यंत भारी वर्षा को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान पहाड़ों में भूस्खलन और निचले क्षेत्रों में नदी-नालों के उफान पर आने को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

इस बीच दून समेत नौ जिलों में एक से 12वीं तक के स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। शासन की ओर से सभी जिलों में प्रशासन समेत आपदा प्रबंधन और अन्य विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

प्रदेश में मौसम ने करवट बदल ली है। पहाड़ से लेकर मैदान तक बादलों का डेरा है। हल्की से मध्यम वर्षा क्रम भी शुरू हो गया है। इस बीच मौसम के बदले मिजाज से परेशानी बढ़ने की आशंका है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, बुधवार को प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में अत्यंत भारी वर्षा होने की आशंका है। खासकर देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत, बागेश्वर, ऊधमसिंह नगर, पिथौरागढ़ और हरिद्वार में भारी वर्षा को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है।

अन्य जिलों में भी गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इस दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन और चट्टान खिसकने की आशंका है। साथ ही नदी-नालों के अचानक उफान पर आने और जलस्तर में अत्यधिक वृद्धि हो सकती है।

मौसम विभाग ने इसे लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। इसी क्रम में शासन ने सभी जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन, राज्य आपदा मोचन बल, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग और पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और मुख्य सचिव डा. एसएस संधु ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर 24 घंटे पहले ही सभी विभागों को अलर्ट रहने के आदेश दिए हैं। इस बीच देहरादून, नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चंपावत और टिहरी में जिला प्रशासन ने सभी स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी है। हरिद्वार और ऋषिकेश में कांवड़ यात्रा के चलते 20 से 26 जुलाई तक अवकाश घोषित है।

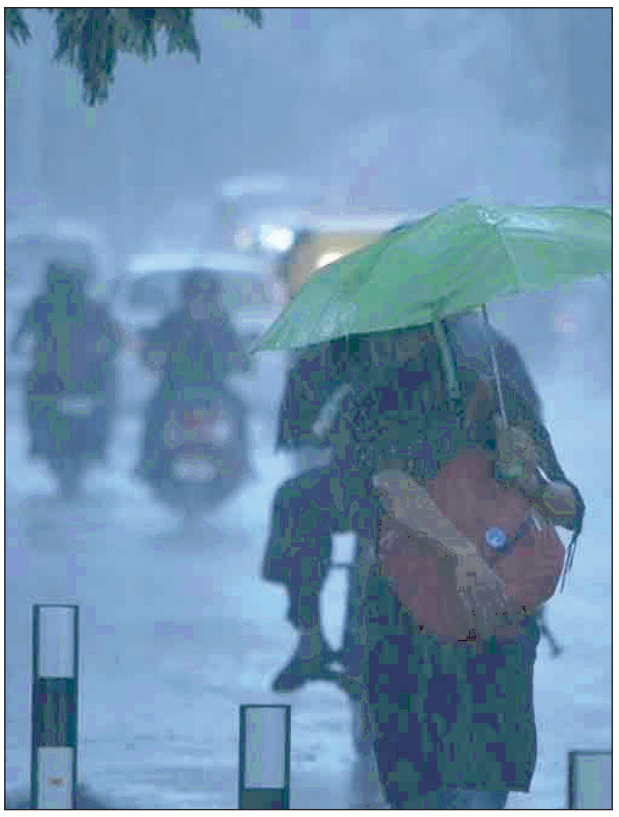

कुमाऊं के सभी जिलों में 20 जुलाई को बंद रहेंगे स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्र

हल्द्वानी : मौसम विभाग ने उत्तराखंड में बारिश को लेकर अगले कुछ दिनों तक अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही बुधवार को सभी जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। इसको देखते हुए कुमाऊं के सभी जिलों में स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्र बुधवार 20 जुलाई को बंद रखने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। इसके अलावा सभी शिक्षक व कर्मचारी अपने-अपने स्कूलों में मौजू रहेंगे। नैनीताल डीएम धीराज गब्याल ने एक से 12 क्लास तक स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों को बंद रखने के आदेश दिए हैं।

चम्पावत : जिलाधिकारी नरेंद्र सिंह भंडारी ने आदेश जारी करते हुए आपदा प्रबंधन से संबंधित विभागों को भी सतर्क रहने को कहा है। डीएम ने बताया कि बुधवार को जिले में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कक्षा एक से 12 तक के सभी शासकीय और अशासकीय स्कूल बंद रहेंगे। इसके अलावा सभी आंगनबाड़ी केंद्र भी बंद रहेंगे। बताया कि आपदा प्रबंधन विभाग को 24 घंटे सतर्क रहने और मोबाइल फोन चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं।

बागेश्वर : बागेश्वर में मौसम का रेड अलर्ट को देखते हुए क्लास 1 से 12 तक सभी स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया गया है।

अल्मोड़ा। मुख्य शिक्षा अधिकारी सुभाष भट्ट ने बताया कि मौसम विभाग की ओर से जारी अलर्ट के मद्देनजर जिला अधिकारी अल्मोड़ा के आदेश के अनुक्रम में कल बुधवार 20 जुलाई को कक्षा एक से 12 तक के सभी शासकीय व अशासकीय व निजी विद्यालयों के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया है।

पिथौरागढ़ : उच्च हिमालयी जिले में भूस्खलन व भारी बारिश ने सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। रेड अलर्ट वाले जिले में भी क्लास 12 तक व आंगनबाड़ी केंद्र बुधवार 20 जुलाई को बंद रहेंगे। यहां पर पिछली बारिश के चलते कई मार्ग अभी भी बंद हैं। अभी हाल ही में दो की नदी में बहकर मौत हो गई थी।

मुख्यमंत्री धामी ने फिल्म उद्योग से जुड़े प्रदेश के कलाकारों को दिया भरोसा

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में फिल्म उद्योग से जुड़े प्रदेश के कलाकारों ने भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में सरकार द्वारा फिल्मों को बढ़ावा दिया जा रहा है। फिल्म निर्माण के क्षेत्र में फिल्म जगत से जुड़े लोगों के जो भी सुझाव प्राप्त होंगे, उन सभी सुझावों पर विचार किया जायेगा। प्रदेश में फिल्मों के विकास एवं कलाकारों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के दृष्टिगत राज्य में फिल्म नीति बनाई गई है।इस अवसर पर फिल्म उद्योग से जुड़े कलाकारों ने प्रदेश में फिल्म सिटी की स्थापना देहरादून शहर के 30 से 40 किमी. के दायरे में किए जाने एवं फिल्म निर्माण से संबंधित गतिविधियों के लिए सब्सिडी बढ़ाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा दोनों मांगों पर विचार कर उचित निर्णय लिया जाएगा।इस अवसर पर प्रदेश के फिल्म क्षेत्र से जुड़े गणेश विरान, बलराज नेगी, अनुज जोशी, अशोक चौहान, प्रदीप भण्डारी एवं अन्य कलाकार उपस्थित थे।

बहुउद्देश्यीय पार्क के शौचालय में गुलदार, युवक के उड़े होश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

श्रीनगर गढ़वाल (पौड़ी): श्रीकोट गंगानाली के बहुद्देश्यीय पार्क के सार्वजनिक शौचालय में एक गुलदार के होने की खबर से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। विद्या मंदिर इंटर कालेज के समीप के इस शौचालय में मंगलवार सुबह गुलदार के होने की खबर से अभिभावक भी चिंतित थे।

पौड़ी से डिप्टी रेंजर एमएस नेगी और फारेस्टर अरविंद कुमार के नेतृत्व में आई वन विभाग की टीम ने शौचालय के दरवाजे पर पिंजरा लगाकर लगभग आधे घंटे की मशक्कत के बाद गुलदार को बिना बेहोश किए ही पिंजरे में बंद करने में सफलता प्राप्त कर ली। इसके बाद जनता ने राहत की सांस ली। लगभग ढाई वर्ष के इस गुलजार को वन विभाग की टीम पौड़ी ले गई, जहां से उसे रेस्क्यू सेंटर भेजा जाएगा।

मंगलवार सुबह लगभग छह बजे एक युवक विवेक जब बहुद्देश्यीय पार्क के सार्वजनिक शौचालय में प्रवेश कर रहा था, तो उसे दरवाजे से ही थोड़ी दूर अंदर एक गुलदार आराम फरमाता नजर आया। उसकी पीठ दरवाजे की ओर थी।

विवेक ने तुरंत ही शौचालय के दरवाजे को बंद कर क्षेत्रीय सभासद संजय फौजी को सूचना दी। संजय फौजी ने तुरंत मौके पर पहुंचकर सुरक्षा की दृष्टि से दरवाजे पर ताला लगाकर वन विभाग को सूचित किया।

गुलदार के बार-बार दहाड़ मारने से शौचालय की ओर बड़ी संख्या में जनता भी आने लगी। इस पर सुरक्षा की दृष्टि से श्रीकोट गंगानाली पुलिस चौकी के पुलिस कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर जनता को शौचालय से दूर रखा।

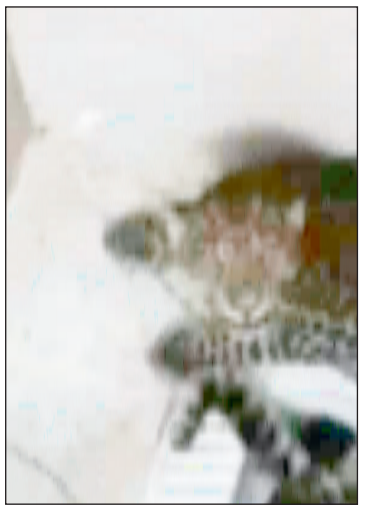

लगभग 11 बजे नागदेव रेंज पौड़ी के डिप्टी रेंजर एमएस नेगी फारेस्टर अरविंद कुमार के साथ आए और गुलदार को पकड़ने के लिए शौचालय के दरवाजे पर पिंजरा लगाया और साहसी वन कर्मियों ने शौचालय के दरवाजे के ऊपर की थोड़ी खाली जगह से एक लंबे डंडे की सहायता से बार-बार गुलदार को दरवाजे की ओर भेजने का प्रयास करते रहे।

लगभग आधे घंटे की मशक्कत में दहाड़ मारता गुलदार दरवाजे से बाहर आते ही पिंजरे में कैद हो गया। इस पर क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली। पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य कर रहे देव राघवेंद्र बदरी ने कहा कि जंगलों में लग रही आग से पारिस्थितिकी तंत्र बुरी तरह बिगड़ गया है। जंगल में पानी के स्रोत भी सूख चुके हैं, ऐसे में गुलदार आबादी की ओर आ रहे हैं।

मिसाल : भारत के इस अन्ना की चर्चा दुनिया भर में, आप भी कहेंगे वाह !

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अगर आप किसी कार्य की शुरुआत करते हैं तो आवश्यक है कि आपको उस कार्य के लिए प्रति एकाग्रता लानी चाहिए। क्योंकि इस विश्व में कोई भी कार्य बड़ा या छोटा नहीं होता बल्कि ये आपके ऊपर डिपेंड है कि आप इसे अपने लाइफस्टाइल में कैसे अपनाते हैं। या फिर आप इसके साथ आसानी से डील करतें हैं कुछ लोग ऐसे ही हैं जो छोटी-छोटी कोशिशों से सफलता की बड़ी इबादत लिखकर देश प्रदेश और अपने समाज में अन्य लोगों के लिए मिसाल पेश करते हैं।

ऑटो चालक अन्नादुरई उन्हीं युवाओं में से एक हैं चेन्नई के तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले अन्नादुरई जो एक ऑटो रिक्शा चालक हैं। भले ही वह एक ऑटो चालक हैं परंतु वह अपनी सोच के कारण काफी लोकप्रिय हो चुके हैं। आज वह किसी परिचय के मोहताज नहीं है। वैसे तो उन्होंने मात्र 11वीं तक शिक्षा हासिल की है लेकिन वह शिक्षा के महत्व को जानते हुए अपने ऑटो में इसके लिए काफी सुविधाएं उपलब्ध की है। जिससे लोगों को काफी मदद भी मिल रही है।

हम सभी यात्रा के दौरान बहुत से वाहनों में सफर करते हैं जिनमे से एक ऑटो भी है। आजकल अधिकतर लोग कम दूरी की यात्रा तय करने के लिए ऑटो में सफर करते हैं। लेकिन अगर आप ऑटो के सफर में कुछ अलग लुफ़्त उठाना चाहते हैं और जब भी चेन्नई जाएं तो चेन्नई के अन्नादुरई के ऑटो में अवश्य सफर करें। अन्नादुरई ये कार्य आज से लगभग 10 वर्षों पूर्व से कर रहें हैं। भले ही वह एक ऑटो चालक हैं लेकिन उनकी सोच काफी बड़ी है जिस कारण वह अन्य रिक्शा चालकों से अलग हैं।

ऑटो में है ये सुविधाएं

अगर आप उनके ऑटो में सफर करते हैं तो आप लग्जरी गैजेट्स आईपैड, स्नैक्स, कोल्ड ड्रिंक्स, लैपटॉप तथा फ्रिज की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपको इंटरनेट से जुड़े रहने के लिए अन्नादुरई के इस ऑटो में वाई-फाई की सुविधा भी मिलेगी। एक बार सफर के दौरान आप ये चाहेंगे कि बार-बार इस ऑटो में सफर करें और यहां मिल रही सभी सुविधाओं का आनन्द लें।

ये लोग कर सकते हैं निःशुल्क सफर

आज अन्नादुरई अपने कार्यों से लोगों के बीच एक अलग पहचान बनाए हुए हैं। आप हर जगह उनकी तारीफ सुन सकते हैं। ऑटो में इतनी सुविधाओं को उपलब्ध कराने के अतिरिक्त उनकी एक और बात है जो उन्हें बेहद खास बनाती है। वो ये है कि अगर आप डॉक्टर, शिक्षक, सैनेटाइजेशन कार्य और नर्स हैं तो इस ऑटो में बिना कोई किराए दिए सफर कर सकते हैं। ऐसा इसलिए है कि क्योंकि ऑटो चालक शिक्षा को अधिक महत्व देते हैं।

कुछ ऐसे चालान जिनसे आप अनजान हैं, इस खबर को नजरअंदाज न करें वरना आपको अपनी जेब ढीली करनी पड़ सकती है

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ट्रैफिक नियमों पर लगातार भारत सरकार की नजर बनी हुई है और सेफ्टी उल्लंघन को लेकर लगातार सख्त होती जा रही है. आज हम उस चालान के बारे में बात करेंगे. जिनके बारे में आपको पता नहीं है परन्तु आपको पता होना चाहिए. ताकि आप गलती से कोई नियम न तोड़े और आपको जुर्माना नहीं देना पड़े. आपको निश्चित रूप से नियमों की जानकारी होनी चाहिए जैसे कि सवारी करते समय हेलमेट पहनना और उस तरह की चीजें, लेकिन क्या आप जानते हैं, कानून के अनुसार, आपको चप्पल पहन कर दुपहिया वाहन चलाने की अनुमति नहीं है। बहुत से लोगों को यह भी लगता है कि ये नियम सिर्फ चार पहिया चलाने वालों के लिए है। आज हम आपको ऐसी ही नियमों की जानकारी दे रहे हैं.

'चप्पल' के साथ सवारीअगर आप अपने घर से चप्पल पहनकर दुपहिया वाहन चलाने बाहर निकल जाते हैं तो सावधान हो जाएं। मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार, आपको भारत में ड्राइविंग करते या वाहन चलाते समय निश्चित चीजें पहननी चाहिए. नियमों के अनुसार, टू व्हीलर ड्राइव करते समय पूरी तरह से बंद जूते पहनना जरूरी है. कानून का उल्लंघन करते पाए जाने पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है. इसी तरह ड्राइविंग करने वाले को पैंट के साथ शर्ट या टी-शर्ट पहननी जरूरी है, इस नियम का उल्लंघन करने वालों पर 2000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है.दो ड्राइविंग लाइसेंस यदि किसी व्यक्ति के पास दो ड्राइविंग लाइसेंस पाए जाते हैं, तो उस व्यक्ति को जुर्माना भरना होगा. यदि आपके पास दो लाइसेंस पाए जाते हैं, तो आप पर अपराध के लिए चालान किया जाएगा.फोन का इस्तेमाल हम सभी जानते हैं कि गाड़ी चलाते समय बात करना या फोन का इस्तेमाल करना निश्चित रूप से आपका चालान करा सकता है, लेकिन इसका एक अपवाद भी है, किसी भी सवार/चालक को अपने वाहन का संचालन करते समय केवल नेविगेशन उद्देश्य के लिए अपने फोन का उपयोग करने की अनुमति है. इसे किसी और चीज के लिए इस्तेमाल करने पर आपको निश्चित रूप से जुर्माना लगेगा. कानून का उल्लंघन करते पाए जाने पर 5,000 रुपये तक का जुर्माना हो सकता है.

उत्तराखंड में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगी BEYOND THE MISTY VEIL : मुख्यमंत्री

देश-विदेश में उत्तराखंड के दिव्य मंदिरों के एक प्रामाणिक परिचय देगी पुस्तक

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री धामी ने पुस्तक की लेखिका आराधना जौहरी को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक देश-विदेश में उत्तराखंड के दिव्य मंदिरों के एक प्रामाणिक परिचय के रूप में जानी जाएगी। इस पुस्तक से लोगों को बेहतरीन जानकारी मिलेगी। पुस्तक की सामग्री से जाहिर होता है कि लेखिका ने इसमें कितनी मेहनत की है। देवभूमि उत्तराखण्ड के पौराणिक मंदिरों पर आधारित पुस्तक हमें अपनी संस्कृति और माइथोलॉजि के बारे मे अवगत कराती है। लेखिका आराधना जौहरी ने अपने सेवाकाल में बतौर नैनीताल डीएम बहुत से विशिष्ट कार्य किये। अब पुस्तक लेखन द्वारा योगदान दे रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पुस्तक से उत्तराखंड में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। लोगों को अनगिनत मंदिरों और उनसे जुडी लोक गाथाओं के बारे में पता चलेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा की सरकार विभिन्न क्षेत्रों में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु मानसखंड कॉरिडोर पर कार्य कर रही है। प्रयास है कि विभिन्न धार्मिक सर्किटों का विकास किया जा सके। चारधाम के अलावा भी धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा इसके तहत हम राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में आने वाले मुख्य मंदिरों को आपस में जोड़ेंगे एवं सर्किट के रूप में विकसित करके धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपने जीवन में विशिष्ट कार्य कर अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए, जिससे हम समाज में अपनी अलग पहचान बना सकें।

पुस्तक की लेखिका आराधना जौहरी ने कहा की देवभूमि उत्तराखंड में उन्होंने शिक्षा प्रारंभ की। उनके पिताजी नैनीताल के डीएम रहे।फिर 30 साल बाद वे स्वयं यहाँ की डीएम रहीं। देवभूमि को सेवाएं देना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा नैनीताल में पोस्टिंग के दौरान देवभूमि की संस्कृति यहां के मंदिरों लोक देवताओं को करीब से जानने का मौका मिला। वे स्वयं मंदिरों तक गई और वहां की तमाम जानकारियां पुस्तक में देने की कोशिश की है। उनकी यात्रा उतनी ही सुन्दर रही जितनी सुंदर मंजिल थी।

यहां का स्थापत्य, इतिहास, लोकगाथाएं, माइथोलॉजी अद्भुत है। एक पुस्तक में इतनी बातों को समेटना आसान नहीं था। तीन सौ पृष्ठ की पुस्तक में तीन वर्ष तक शोध किया। उन्होंने कहा उत्तराखंड राज्य में चारधाम के अतिरिक्त भी धार्मिक पर्यटन की अपार संभावना है। यह पुस्तक इसमें सहायक होगी।

इस दौरान पूर्व मुख्य सचिव इंदुकुमार पाण्डे, पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह, पुस्तक के प्रकाशक प्रभात, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, डीजीपी अशोक कुमार, पूर्व डीजीपी अनिल कुमार रतूड़ी सहित अन्य अधिकारी व विशिष्ट जन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री धामी ने सूर्यकांत धस्माना को दिया भरोसा, पीआरडी जवानों को मिलेगा न्याय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पीआरडी जवानों के वेतन व उनकी तैनाती के मुद्दे पर मुख्य सचिव से मिलने के बाद कोई ठोस कार्यवाही न होती देख आखिरकार उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सोशल एक्टिविस्ट के तौर पर जनहित के मुद्दों को उठाने वाले सूर्यकांत धस्माना ने मुख्यमंत्री धामी से मुलाकात की जिसके बादमुख्यमंत्री ने उन्हें सकारात्मक आश्वासन दिया है।

आपको बता दें कि दो साल से एसडीआरएफ में तैनात 62 पीआरडी जवानों के वेतन भुगतान व पुनः तैनाती का मुद्दा आखिरकार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दरबार पहुंच गया है , प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने मंगलवार शाम मुख्यमंत्री आवास पर उनसे मुलाकात कर पीआरडी जवानों के तीन महीने के रुके हुए वेतन व उनको वेतन मांगे जाने पर हटाये जाने के प्रकरण पर मुख्यमंत्री धामी को ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस लीडर धस्माना ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि 62 पीआरडी जवानों को दो वर्ष पूर्व कोविड काल में एसडीआरएफ की मांग पर युवा कल्याण विभाग द्वारा भेजा गया था। तीनों कोविड लहरों में इन जवानों ने एसडीआरएफ के निर्देशों पर कोविड ड्यूटी की।

वरिष्ठ काँग्रेस लीडर सूर्यकांत धस्माना ने बताया कि अप्रैल 2022 से जुलाई 2022 तक इन जवानों को वेतन भुगतान नहीं किया गया और जब ये वेतन की मांग को लेकर उनके पास आये और उन्होंने अधिकारियों से इनके वेतन के बारे में वार्ता की तो बजाय इनके वेतन का भुगतान करने के इनका वेतन भुगतान किए बिना इनको वापस युवा कल्याण भेज दिया गया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वे इस संबंध में विभागीय अधिकारियों से वार्ता कर इनको वेतन भी दिवाएँगे और इनको तैनाती भी मिलेगी।

सड़क पर उतरी डीएम सोनिका, हालात का लिया जायज़ा

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड की सीनियर आईएएस सोनिका ने ऐसे समय में देहरादून के जिलाधिकारी का पद संभाला है जब प्रदेश में मौसम और बारिश एक बड़ी चुनौती बन गई है। लगातार नदी नालों के किनारे मौसम की बारिश से बड़ी चुनौती नजर आ रही है। ऐसे में नदियों के किनारे रहने वाले हजारों लोगों को राहत देने और उनकी जान-माल की सुरक्षा का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी सोनिका खुद सड़कों पर उतरी और कई इलाकों में जाकर उन्होंने हालात का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संगम विहार गांधीग्राम बिंदाल और रिस्पना के निरीक्षण के दौरान नगर निगम को नदी नालों की साफ-सफाई और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को पुल और रास्तों के मरम्मत करने के निर्देश दिए। इसी दौरान डीएम सोनिका लोगों से बात करती भी दिखाई दी। डीएम ने लोगों से उनकी समस्याओं को जाना और संभावित खतरों के बारे में अधिकारियों को निर्देश दिया। आपको बता दें कि हर साल बारिश में बड़ी संख्या में बिंदाल और रिस्पना नदियों के किनारे रहने वाले लोगों के जीवन पर बुरा असर पड़ता है। लोगों के घरों में पानी घुस जाता है और उनकी गृहस्थी भी तबाह हो जाती है। ऐसे में जिलाधिकारी ने खुद राजधानी की नदियों के किनारे रहने वालों की सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को निरीक्षण के दौरान करीब से जाना और मौके पर ही अधिकारियों को तत्काल प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

कांग्रेस के सभी दिग्गज दिखे एक साथ, क्या बन गई बात ?

भर्ती में भ्रष्टाचार का आरोप लगा कर किया प्रदर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखण्ड राज्य में लोकसेवा आयोग की भर्तियों, पुलिस विभाग की भर्तियों तथा सहकारिता विभाग में हुई भर्तियों में हुए भ्रष्टाचार और अनियमितता के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने आज सचिवालय के सामने धरना-प्रदर्शन के साथ सचिवालय घेराव किया तथा अनियमितता व भ्रष्टाचार की जांच की मांग को लेकर महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह, उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापडी, आदेश चैहान सहित वरिष्ठ नेतागण एवं बडी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

प्रदर्शन के बाद इन नेताओं ने राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन जिला मजिस्ट्रेट को सौंपते हुए कांग्रेस ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के निर्माण आंदोलन में प्रदेश के छात्र नेताओं, शिक्षित बेरोजगारों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और कहीं ना कहीं रोजगार को लेकर यह आंदोलन चरम सीमा पर पहुंचा और राज्य की प्राप्ति हुई। राज्य प्राप्ति के बाद उत्तराखंड प्रदेश में बड़ी संख्या में शिक्षित बेरोजगारों को सरकारी सेवा में अवसर न मिलने के कारण उनका भविष्य अधर में है जिसके कारण अधिकांश युवा कुठांग्रस्त है और भर्ती प्रक्रिया में हो रही लगातार धांधली के कारण आक्रोशित हैं और शिक्षित बेरोजगारों का मनोबल टूट रहा है।

कांग्रेस पार्टी महामहिम राज्यपाल से मांग करती है कि निम्नलिखित मांगों पर यथाशीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिये जांय। यू.के.एस.एस.सी में हाल में हुई संपन्न सभी भर्तियों में हुई अनियमितताओं की सीबीआई जांच कराई जाए। नॉर्मलाइजेशन पद्धति को पूर्णतया समाप्त किया जाए एवं आगामी परीक्षाएं 11 पाली में कराई जाए। यू.के.एस.एस.सी एवं यू.के पी.एस.सी द्वारा भर्ती परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर जारी किया जाए। कैलेंडर का प्रावधान न होने के कारण भर्तियों को संपन्न कराने में आयोगों द्वारा 3-4 वर्ष का समय लगाया जाता है। यू.के.एस.एस.सी के अध्यक्ष एवं सचिव के साथ-साथ अनु सचिव एवं समीक्षा अधिकारी को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए एवं उनके कार्यकाल की सीबीआई जांच कराई जाए। संयुक्त कनिष्ठ अभियंता 2021 में सिंचाई विभाग के कनिष्ठ अभियंताओं के 228 पदों को समायोजित किया जाए। इस अवसर पर पूर्व विधायक रणजीत रावत, प्रदेश महामंत्री संगठन विजय सारस्वत, पूर्व विधायक राजकुमार, पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र शाह, गोदावरी थापली, मीडिया पैनलिस्ट गरिमा दसौनी, पूर्व मंत्री अजय सिंह, वैभव वालिया, सुमित्तर भुल्लर, प्रदेश महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला, डॉ0 जसविंदर सिंह गोगी, मोहन भण्डारी, नवनीत सती, रॉबिन त्यागी, विनीत प्रसाद बंटू, भूपेन्द्र सिंह नेगी, सूरत सिंह नेगी, महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, जिलाध्यक्ष संजय किशोर, अश्विनी बहुगुणा, धर्मपाल, मुरली मनोहर, अमन गर्ग, प्रणीता बडोनी, आशा मनोरमा शर्मा, सुजाता पॉल आदि शामिल थे।

कोटद्वार में जल्द विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती हो : ऋतू खंडूड़ी भूषण

कागजी कार्यवाही से अधिक, धरातल पर काम किया जाए : स्पीकर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विधानसभा क्षेत्र कोटद्वार के अंतर्गत स्थापित चिकित्सा इकाइयों में मानव संसाधन उपकरणों एवं इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति की जानकारी के लिए उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों के संग समीक्षा बैठक की। विधानसभा अध्यक्ष ने अस्पताल की व्यवस्थाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाए जाने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश एवं जरुरी सुझाव दिए।

विधानसभा भवन देहरादून में आयोजित बैठक के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों से कोविड-19 वैक्सीनेशन एवं बूस्टर डोज के संबंध में भी जानकारी ली। विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बेस हॉस्पिटल कोटद्वार में जल्द से जल्द विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती की जाए। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि कागजी कार्यवाही से अधिक धरातल पर काम किया जाए एवं दिए गए निर्देशों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही ना बरतें। उन्होंने कहा कि कोई भी अधिकारी अपनी जिम्मेवारी से बच नहीं सकता है, जनमानस को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता में होना चाहिए, जिसके लिए अस्पतालों में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ, स्वास्थ्य उपकरण, दवाइयों समेत सभी मूलभूत सुविधाओं का व्यवस्थित होना आवश्यक है।

स्वास्थ्य सेवा में औषधि, जांच, परीक्षण सेवा और ब्लड बैंक सहित अन्य के विकास पर फोकस किया जाए। स्वास्थ्य सुविधाओं को और मजबूती प्रदान करने के लिए निजी क्षेत्र का भी सहयोग लिया जाय।

बैठक के दौरान स्वास्थ्य महानिदेशक शैलजा भट्ट, पौड़ी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रवीण कुमार, बेस हॉस्पिटल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ आदित्य तिवारी मौजूद थे।इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा बेस चिकित्सालय सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कलालघाटी, कालागढ, झण्डीचौड, मोटाढाक लालपानी एवं परिवार कल्याण उपकेन्द्र सिगड्डी, कलालघाटी, मोटाढाक, पदमपुर काशीरामपुर सनेह, लालपानी, कालागढ़ में अवस्थित समस्त चिकित्सा इकाइयों में मानव संसाधन उपकरणों एवं इन्फास्ट्रक्चर का विवरण विधानसभा अध्यक्ष को दिया गया।

बैठक के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने बेस हॉस्पिटल में खराब पड़ी लिथोट्रिप्सी मशीन के बारे में जानकारी ली, उन्होंने बिना चीरफाड़ के किडनी की पथरी के इलाज के लिए प्रयोग होनी वाली लिथोट्रिप्सी मशीन को शीघ्र ठीक कराने के निर्देश दिए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के भवनों के मरमत्तीकरण के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने अपनी विधायक निधि से धनराशि देने की बात कही।

शहरी विकास मंत्री ने किया नेशनल हाईवे-74 छिद्दरवाला का निरीक्षण, दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कैबिनेट मंत्री व ऋषिकेश विधायक डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने नेशनल हाईवे-74 छिद्दरवाला का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंगलवार को छिद्दरवाला नेशनल हाईवे-74 का निरीक्षण करने पहुंचे मंत्री डॉ अग्रवाल ने एनएच प्रोजेक्ट मैनेजर पंकज मौर्य को निर्देशित करते हुए कहा कि चौराहे पर अधिकांश सड़क दुर्घटना के मामले आते है, इसके लिए यहाँ पर ट्रैफिक सिग्नल लगाया जाए। कहा कि आम आदमी के लिए हाईवे के किनारे छुटी हुई सर्विस लेन बनाई जाए, जिससे पैदल और दुपहिया वाहनों के लिए आवागमन में सहूलियत हो। डॉ अग्रवाल को मौके पर ग्रामीणों ने हाईवे पर कट न होने के कारण लंबी दूरी तय करने का मामला भी उठाया। इसके लिए मंत्री डॉ अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने यह भी कहा कि जहाँ भी कट लगाया जाए, वहाँ पर्याप्त रोशनी की भी व्यवस्था हो। डॉ अग्रवाल ने कहा कि नालियों से ओवरफ्लो होकर पानी आसपास लोगों के घरों में न जाये, इसके इंतज़ाम किये जायें। कहा कि एनएच द्वारा जो छोटी सड़क बनाने से रह गयी, उसको बनाया जाए।इस मौके पर हाईवे बनाने के दौरान जिन लोगों ने अपनी जमीन दी, उनके मुआवजे का भी विषय उठा। इसके लिए डॉ अग्रवाल जी ने अधिकारियों को निर्देशित करते कहा कि इस तरह के मामले में पात्र लोगों को मुआवजा दिया जाए।इस मौके पर एनएच के एटीआई एके मित्तल, पूर्व जिपंस देवेंद्र नेगी, पूर्व जिपंस विमला नैथानी, पूर्व जिपंस अनिता राणा, मण्डल महामंत्री भूपेंद्र रावत, ग्राम प्रधान जोगीवाला माफी सोबन सिंह कैंतुरा, बलविंदर सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष समा पंवार, अम्बर गुरुंग, हरीश कक्कड़, किसान मोर्चा महामंत्री कुलवीर बिष्ट, दीपक थापा, हरीश पैन्यूली, रोशन कुड़ियाल सहित आदि ग्रामीण व महिलाएं मौजूद रही।

मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड के पत्रकारों को दी बड़ी राहत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में पत्रकार कल्याण कोष की बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकार कल्याण कोष (कारपस फंड) में 2 करोड़ रूपये की वृद्धि की जायेगी। पत्रकार को दी जाने वाली पेंशन का नाम मुख्यमंत्री पत्रकार पेंशन योजना करने के साथ ही इसकी नियमावली में भी सरलीकरण किया जाए। पत्रकारों एवं उनके आश्रितों को कारपस फण्ड के मूलधन से अर्जित ब्याज की धनराशि से आर्थिक सहायता दी जाती है एवं वयोवृद्ध पत्रकारों को प्रतिमाह पेंशन की धनराशि दी जाती है। बैठक में 18 प्रकरणों पर चर्चा की गई जिसमें से 16 प्रकरण आर्थिक सहायता से संबंधित एवं 02 प्रकरण पेंशन से संबंधित थे। आज बैठक में पत्रकार कल्याण कोष से पत्रकार आश्रितों एवं गंभीर बीमार पत्रकारों के लिए 36 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिन प्रकरणों में अभी आवेदन पत्र पूर्ण नहीं हैं, उन्हें आवेदन पत्र पूर्ण करने का एक बार मौका और दिया जाए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पत्रकारों के हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार उन्हें हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। वे पत्रकारों की समस्याओं से अवगत हैं, उनका प्रयास है कि इन समस्याओं का तेजी से निराकरण किया जाए। उन्होंने सूचना विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिये कि पत्रकारों के कल्याण की ठोस योजना बनाई जाए। पत्रकारों के दुर्घटना बीमा के लिए भी उचित समाधान निकाला जायेगा। वयोवृद्ध पत्रकारों को को दी जाने वाली मासिक धनराशि को 05 हजार रूपये से बढ़ाकर 08 हजार रूपये किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के इस तरह की बैठकें आगे भी आयोजित की जायेंगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने में मीडिया की अहम भूमिका होती है। आम जन तक सरकार की सभी उपलब्धियों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने की सूचना विभाग की बड़ी जिम्मेदारी है। यह सुनिश्चित किया जाए कि मीडिया से बेहतर समन्वय के साथ सरकार की सभी उपलब्धियां विभिन्न माध्यमों से आम जन तक पहुंचे। समिति के गैर सरकारी सदस्यों रमेश पहाड़ी, त्रिलोक चन्द्र भट्ट एवं योगेश भट्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पत्रकारों के कल्याण के सार्थक कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राज्य के पत्रकारों के हितों के लिए और भी महत्वपूर्ण कदम उठाये जायेंगे। पत्रकार कल्याण कोष से पत्रकारों को मुख्यमंत्री द्वारा अभी तक 1 करोड़ 20 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इस अवसर पर विशेष प्रमुख सचिव सूचना अभिनव कुमार, सूचना महानिदेशक रणवीर सिंह चौहान, अपर निदेशक डॉ. अनिल चंदोला, संयुक्त निदेशक के.एस. चौहान उपस्थित थे।

परिवहन एमडी रोहित मीणा का आदेश
1 अगस्त से होगी बायोमीट्रिक हाजिरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड परिवहन विभाग के सभी दफ्तरों में अगले महीने से बायोमेट्रिक हाज़िरी लगेगी। ये निर्देश परिवहन एमडी रोहित मीणा ने दिया है। इसी निर्देश को लागू कराने के लिए महाप्रबंधक संचालन दीपक जैन की ओर से बायोमीट्रिक हाजिरी के आदेश सभी मंडल प्रबंधक, सहायक महाप्रबंधकों को जारी किया गया है।उत्तराखंड परिवहन निगम में एक अगस्त से बायोमीट्रिक हाजिरी शुरू होने जा रही है। यानी एक अगस्त से किसी भी दफ्तर में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों, संविदाकर्मियों की मैन्युअल हाजिरी नहीं होगी।परिवहन निगम के एमडी रोहित मीणा के निर्देशों के बाद यह व्यवस्था निगम के सभी अधिकारियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, संविदाकार्मिकों, आउटसोर्स कार्मिकों, उपनल कार्मिक, होमगार्ड और पीआरडी जवानों पर भी लागू होगी। निगम मुख्यालय से लेकर रोडवेज के सभी दफ्तरों में यह प्रणाली लागू की गई है। इसी हाजिरी के आधार पर वेतन दिया जाएगा। बायोमीट्रिक प्रणाली लागू होने के बाद सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्धारित समय के 15 मिनट के भीतर उपस्थिति दर्ज करानी होगी। इससे बाद में आने वालों को अपने नियंत्रक अधिकारी को जवाब देना होगा। अगर अपरिहार्य परिस्थितियां हैं तो ई-मेल या एसएमएस के माध्यम से देरी का जवाब देना होगा। कोविड-19 संक्रमण के चलते सभी को हाथों को सैनिटाइज करने के बाद बायोमीट्रिक लगानी होगी। अगर किसी अधिकारी को सुबह के वक्त किसी बैठक में जाना है तो उसे एक दिन पहले आवेदन पत्र देकर इसकी सूचना अपने नियंत्रक अधिकारी को देनी होगी। जानबूझकर देरी से आने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

हरिद्वार जिले में कल से सात दिन बंद रहेंगे सभी सरकारी और निजी स्कूल

हरिद्वार। जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय शनिवार रात कांवड़ मेले में श्रद्धालुओं की बढ़ती तादाद को देखते हुए जिले की सभी शिक्षण संस्थानों को 20 जुलाई से 26 जुलाई तक बंद रखने के आदेश दिए हैं।

इसमें सरकारी, गैर सरकारी, अर्द्ध सरकारी और निजी शिक्षण संस्थाएं शामिल हैं। आदेश आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी लागू होगा। महाविद्यालय और हम विश्वविद्यालय भी इस आदेश की परिधि में आएंगे। जिलाधिकारी विनय शंकर पांडे ने बताया कि आदेश का पालन अनिवार्य है और पालन न करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

20 व 21 जून को मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए अलर्ट के बाद एसडीएम ने तहसीलदार व एसडीआरएफ की टीम के साथ गंगा क्षेत्र के तटीय इलाके का निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ चौकियों पर तैनात कर्मचारियों को 24 घंटे अलर्ट रहने की हिदायत दी।

लक्सर तहसील का अधिकांश क्षेत्र गंगा और सोलानी नदियों के बीच में होने के कारण बाढ़ आपदा के लिहाज से काफी संवेदनशील है। बरसात के मौसम में दोनों नदियों के आसपास बसे गांवों के ग्रामीणों को नदियों के उफान पर आने पर अक्सर जानमाल का नुकसान उठाना पड़ता है। मौसम विभाग द्वारा 20 व 21 जुलाई को भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया गया है। जिस पर मंगलवार को एसडीएम गोपाल राम बिनवाल ने तहसीलदार शालिनी मौर्य तथा एसडीआरएफ की टीम के साथ गंगा के तटीय इलाकों का निरीक्षण किया तथा लोगों से सतर्क रहने को कहा गया।

उन्होंने क्षेत्र में बनाई गई बाढ़ चौकियों पर तैनात कर्मचारियों को 24 घंटे अलर्ट रहने तथा स्थिति पर बराबर नजर रख रखे जाने की हिदायत दी। एसडीएम ने बताया कि मौसम विभाग के 20 व 21 जुलाई को भारी वर्षा के अलर्ट के बाद गंगा के तटीय इलाकों का निरीक्षण किया गया है।

संपादकीय

बढ़ता कृषि निर्यात

वर्तमान वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में देश के कृषि एवं खाद्य पदार्थों के निर्यात में 14 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. पिछले वर्ष इसी अवधि में 5.25 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात हुआ था. इस वर्ष वित्त वर्ष के पहले तीन महीनों में यह आंकड़ा 5.98 अरब डॉलर पहुंच गया. वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचलों तथा भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण खाद्य सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं को देखते हुए यह बढ़ोतरी निश्चित ही संतोषजनक है. उल्लेखनीय है कि कुछ माह पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आश्वस्त किया था कि भारत खाद्य आपूर्ति में यथासंभव सहयोग करेगा. हालांकि कम उत्पादन और मानसून संबंधी आशंकाओं के कारण गेहूं के निर्यात पर अस्थायी तौर पर पाबंदी है, फिर भी 13 मई के इस निर्णय के बाद भी भारत ने 18 लाख टन गेहूं कुछ देशों को भेजा है, जो खाद्य पदार्थों की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं. कृषि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि इस संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है कि जून में निर्मित वस्तुओं के निर्यात में भी 16.78 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. आयात में अपेक्षाकृत अधिक बढ़त से भले ही व्यापार घाटा बढ़ा है, पर निर्यात बढ़ने से यह स्पष्ट रूप से इंगित होता है कि भारतीय उत्पादों में अन्य देशों के लोगों और कारोबारियों का भरोसा बढ़ता जा रहा है. बीते वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने 418 अरब डॉलर मूल्य का रिकॉर्ड निर्यात किया था. हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आशा जतायी है कि इस वर्ष भी निर्यात उच्च स्तर पर रहेगा. सरकार की ओर से अभी कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है, पर जानकारों का अनुमान है कि पिछले साल से निर्यात अधिक ही रहेगा. इसमें कृषि उत्पादों की बड़ी हिस्सेदारी होगी. कुछ समय पहले किसानों को अधिक उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने तथा उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाया गया है. केंद्र सरकार कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए राज्य सरकारों और जिला प्रशासन के माध्यम से किसानों और मंडियों से संपर्क में है तथा उन्हें संबंधित पहलुओं के बारे में निरंतर जानकारी दी जा रही है. अनाज के अधिक निर्यात के साथ यह भी उत्साहजनक है कि फलों और सब्जियों के निर्यात में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. देशभर में उपज के समुचित भंडारण की व्यवस्था की जा रही है. इससे फलों व सब्जियों को सड़ने-गलने से बचाया जा रहा है. कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ निर्यात बढ़ेगा भी और उसमें विविधता भी आयेगी. सरकार ने गुणवत्ता निर्धारण के लिए 220 प्रयोगशालाओं को भी मान्यता दी है. वर्ष 2021-22 में कृषि निर्यात 19.92 प्रतिशत बढ़कर 50.21 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचा था, जबकि तब महामारी के कारण वस्तुओं की आवाजाही मुश्किल थी. आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं के दूर होने के साथ निर्यात में आसानी की उम्मीद है.

देश में बढ़ती मंहगाई के खिलाफ़ आप ने किया प्रदर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश में खाद्य सामग्रियों के दाम बढ़ने और GST दरों में परिवर्तन को देखते हुए आप पार्टी ने देहरादून के आरघर चौक पर बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र सरकार और राज्य सरकार का पुतला दहन किया। इस दौरान आप पार्टी गढ़वाल मीडिया प्रभारी रवींद्र आनंद ने कहा कि, जिस प्रकार से देश में केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा खाद्य सामग्री के मूल्यों में वृद्धि की जा रही है , इससे जनता परेशान है। उन्होने आगे बताया कि सिलेंडरों के दाम के साथ परिवहन विभाग ने बसों के किराए में बढ़ोतरी की है जिसका असर सीधे पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता पर पड़ रहा है।

उन्होने आगे कहा कि बीजेपी सरकार देश में महंगाई बढ़ाकर आम आदमी की कमर तोड़ने का काम कर रही है। बीजेपी ने जनता को सिर्फ वोट बैंक के लिए इस्तेमाल किया। जनता से किए वादे पूरे करने के बजाय बीजेपी जनता को महंगाई की मार से मारने का काम कर रही है। इसी कड़ी में आज पूरे प्रदेश में आम आदमी पार्टी ने बीजेपी के खिलाफ

प्रदर्शन किया और आगे भी महंगाई वृद्धि के खिलाफ लगातार धरने प्रदर्शन करती रहेगी। इस मौके पर उमा सिसोदिया, राधा सिंह, डॉ आर पी रतूड़ी ,कमलेश रमन, सुधा पटवाल, मुकेश पांडे, विपिन खन्ना , नितिन जोशी,सीमा कश्यप सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बाबू हत्याकांड में 10-10 हजार रुपये के दो और इनामी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भगवानपुर (रुड़की): बाबू हत्याकांड में पुलिस ने दो और 10 हजार रुपये के इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक आरोपित की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद किया है। साथ ही, हत्या के बाद जिस बाइक ये यह हत्यारोपित भागे थे। उसे भी पुलिस ने बरामद किया है।

भगवानपुर थाना प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह ने बताया कि बाबू हत्याकांड में शामिल विशांत सैनी निवासी सलेमपुर थाना गंगनहर रुड़की और अंकुर गुर्जर निवासी खिड़नी थाना-मंडावली बिजनौर उत्तर प्रदेश की भी संलिप्तता सामने आई थी। तभी से इन दोनों आरोपितों की भी पुलिस टीम लगातार तलाश करने में जुटी थी। मंगलवार को एक सूचना के बाद हत्यारोपित विशांत सैनी और अंकुर गुर्जर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपितों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू और भागने में इस्तेमाल की गई बुलेट बाइक बरामद की है। बता दें कि गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के सुनहरा इंद्रा विहार कालोनी निवासी आशीष कुमार की तहरीर पर पिछले माह 24 जून को उसके भाई बाबू की हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। हिमालयन हास्पिटल जौलीग्रांट के चिकित्सकों ने एक बेहद चुनौतीपूर्ण किडनी ट्रांसप्लांट करने में सफलता हासिल की है

बाबू की रूहालकी श्मशान घाट के समीप मारपीट कर हत्या कर दी गई थी। हत्या के मामले में रोहित राणा, बंटी उर्फ बल सिंह, सचिन कश्यप, योगेश डीलर, शुभम राणा, शशांक उर्फ झोझा, आकाश गुर्जर, बाहुबली उर्फ अमन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में पुलिस अभी तक रोहित राणा, शुभम सैनी, बंटी, शशांक, योगेश डीलर, आकाश गुर्जर, शुभम राणा, बाहुबली व सोनू, सचिन कश्यप, अंकुर गुर्जर व विशांत सैनी को गिरफ्तार कर चुकी है।

रिखणीखाल में रामपाल की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। रिखणीखाल ब्लाक के कालिकों ग्राम निवासी रामपाल की हत्या का मामला दर्ज करने को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने सोमवार को रिखणीखाल थाने का घेराव किया था।

ग्रामीणों का आरोप था कि बीती पांच जून को रामपाल का शव जौड्यूरौला के निकट नहर से बरामद करने के बाद मृतक के भाई की ओर से हत्या की तहरीर दी गई, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नही की। रिखणीखाल थाना प्रभारी कमलेश शर्मा ने बताया कि रामपाल की हत्या के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। दूसरी ओर पूर्व प्रमुख पिंकी नेगी ने पुलिस की जांच से संतुष्ट न होकर मामला सीबीसीआइडी को सौंपने की वकालत की है।

हार्ट अटैक-स्ट्रोक से बचा लेंगी ये 5 घरेलू चीजें

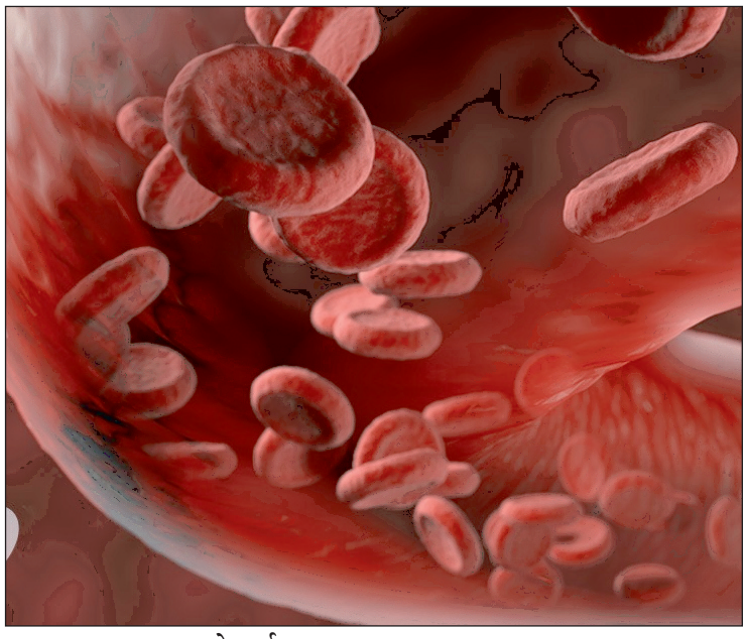

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खून गाढ़ा होने के क्या लक्षण होते हैं? शरीर में जब खून गाढ़ा होने लगता है तब आपका शरीर कई तरह से इसके संकेत देने लगता है। इसमें चक्कर आना, पीरियड्स के दौरान अधिक ब्लड फ्लो, सिरदर्द, हाई ब्लड प्रेशर, त्वचा में खुजली होना, देखने में धुंधलापन, अर्थराइटिस और गाउट की समस्या शामिल है। शरीर में खून को गाढ़ा होने और खून के थक्कों को बनने से रोकने के लिए कई तरह के नेचुरल चीजों का भी उपयोग कर सकते हैं। हालांकि इन्हें इस्तेमाल करने से पहले अपने डॉक्टर से एक बार परामर्श लेना जरूरी होता है।

लहसुन : भोजन में स्वाद के लिए डाला जाने वाला लहसुन में प्राकृतिक एंटीबायोटिक और रोगाणुरोधी गुण भी मौजूद होते हैं। फूड साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी के 2018 के एक अध्ययन में बताया गया है कि लहसुन पाउडर से चूहों में एंटीथ्रॉम्बोटिक गतिविधियों को देखा गया है। एंटीथ्रॉम्बोटिक एजेंट एक पदार्थ है जो रक्त में थक्के बनने से रोकता है।

विटामिन E- पालक, बादाम, सूरजमुखी

विटामिन ई रक्त में थक्के बनने की गतिविधियों को कम करता है। ये प्रभाव एक व्यक्ति द्वारा लिए जाने वाले विटामिन ई की मात्रा पर भी निर्भर करता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के ऑफिस ऑफ डाइटरी सप्लीमेंट्स का सुझाव है कि जो लोग रक्त को पतला करने वाली दवाएं ले रहे हैं, उन्हें विटामिन ई ज्यादा खुराक लेने से बचना चाहिए।

हल्दीलोग लंबे समय से औषधीय रूप में हल्दी का उपयोग कर रहे हैं। हल्दी में मौजूद करक्यूमिन में सूजन-रोधी और रक्त-पतला या थक्का रोधी गुण पाए जाते हैं। जो शरीर में खून का थक्का बनने से रोकने का काम करते हैं। ईपीएमए जर्नल में 2019 की समीक्षा से संकेत मिलता है कि हल्दी रक्त के थक्के को रोकने में मदद कर सकती है। इसलिए हल्दी को रक्त पतला करने वाली दवाओं के साथ लेने की सलाह नहीं दी जाती है। आप हल्दी का सेवन करी, सूप, और गर्म पानी के साथ मिलाकर कर सकते हैं।

अदरक अदरक एक एंटी- इंफ्लेमेंटरी मसाला है जो रक्त में थक्के को बनने से रोकता है। इसमें सैलिसिलेट नामक एक प्राकृतिक एसिड होता है। एसिटाइलसैलिसिलिक एसिड नाम से जाना जाने वाला एस्पीरिन सैलिसिलेट सिंथेटिक गुण वाला एक शक्तिशाली रक्त थिनर होता है। प्राकृतिक सैलिसिलेट्स के थक्कारोधी प्रभाव प्राप्त करने के लिए, लोग बेकिंग, खाना पकाने और जूस में नियमित रूप से ताजा या सूखे अदरक का उपयोग कर सकते हैं।

लाल मिर्च - लाल मिर्च गुणों से भरपूर होती है जो हमारे रक्त को पतला करने में मदद करती है। लाल मिर्च में सैलिसिलेट्स अधिक मात्रा में पाया जाता है। जिसकी वजह से यह एक शक्तिशाली ब्लड थिनर के रूप में काम करता है। आहार में लाल मिर्च को शामिल करने से आपका रक्तचाप कम हो सकता है और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है।

पत्नी को एटीएम के रूप में इस्तेमाल करना मानसिक प्रताड़ना जैसा : HC

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कर्नाटक हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि पत्नी को बिना किसी भावनात्मक लगाव के एटीएम के तौर पर इस्तेमाल करना मानसिक प्रताड़ना के समान है. न्यायमूर्ति आलोक अराधे और न्यायमूर्ति जेएम खाजी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की. साथ ही कोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को खारिज करते हुए मामले में पत्नी के तलाक को मंजूरी दे दी.

पीठ ने कहा कि पति ने बिजनेस शुरू करने के बहाने पत्नी से 60 लाख रुपये लिए थे. वह उसे एक एटीएम के रूप में मानता था. उसे अपनी पत्नी से कोई भावनात्मक लगाव नहीं है. पति के व्यवहार के कारण, पत्नी को मानसिक आघात पहुंचा है. कोर्ट ने कहा, 'इस मामले में पति द्वारा पत्नी को दिए गए तनाव को मानसिक उत्पीड़न माना जा सकता है. पारिवारिक अदालत इन सभी कारकों पर विचार करने में विफल रही है. उस अदालत ने याचिकाकर्ता पत्नी को नहीं सुना और न ही उसका बयान दर्ज किया.' पीठ ने कहा, 'पत्नी

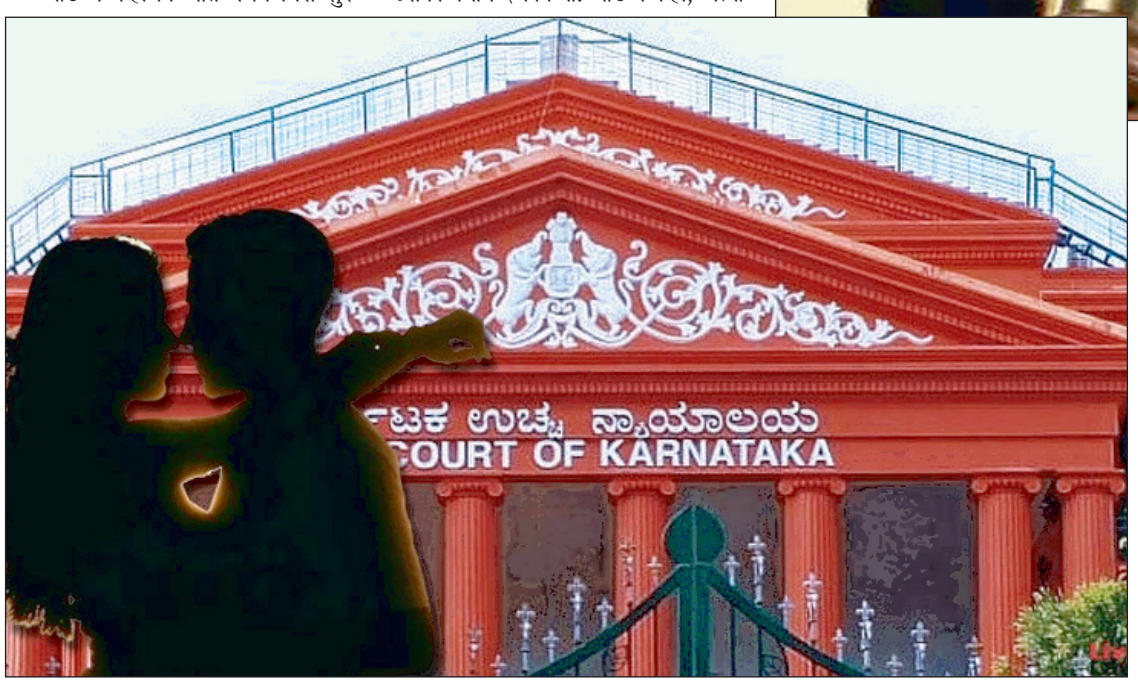

की दलीलों को ध्यान में रखते हुए उसकी तलाक की याचिका मंजूर की जाती है.

जानकारी के मुताबिक, दंपति ने 1991 में शादी की थी और 2001 में उनकी एक बेटी हुई. पति का कारोबार था, जो ठप हो चुका था. उस पर काफी कर्ज था, जिसके चलते घर में आए दिन लड़ाई-झगड़े होते रहते थे. याचिकाकर्ता ने अपना और बच्चे का ख्याल रखने के लिए एक बैंक में नौकरी की. 2008 में पत्नी ने अपने पति की मदद करने के लिए कुछ पैसे दिए, जो उसने बिना कर्ज चुकाए खर्च कर दिया. आरोप है कि वह पैसे निकालने के लिए याचिकाकर्ता को भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल कर रहा था. बाद में उसे पता चला कि उसके पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है. उससे 60 लाख रुपये लेने के बावजूद उसका पति कोई काम नहीं कर रहा है.पत्नी के अनुसार, उसने अपने पति को पैसे दुबई में सैलून खोलने के लिए दिए थे. इन सब से परेशान होकर पत्नी ने फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल की. हालांकि फैमिली कोर्ट ने यह कहते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी थी कि इस मामले में कोई क्रूरता शामिल नहीं है.

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा